



बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

कार्यालय: प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार, पटना (वन्यप्राणी संभाग)

संख्या- वन्यप्राणी- 362

दिनांक - 18/03/2026

प्रेषक,

अभय कुमार, भा०व०से०

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-

मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार

सेवा में,

संयुक्त सचिव

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,

बिहार, पटना।

विषय : विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

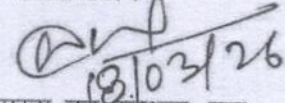
महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनाओं को अद्यतन करने हेतु आलेख एवं फोटोग्राफ्स संलग्न प्रेषित है।

अनुरोध है कि संलग्न आलेख एवं फोटोग्राफ्स को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड कराने की कृपा की जाय।

अनु०-यथोक्त।

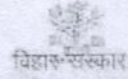
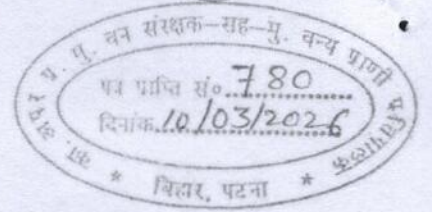
विश्वासभाजन



अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-
मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार

35-40
19/2/26
20/3/26

(544)



विहार सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, भागलपुर
"सुन्दरवन," बरारी रोड, भागलपुर-812003
दूरभाष सं०- 0641.2611660, ई० मेल-rcfbgpr@gmail.com

पत्रांक :- 177

दिनांक- 26/02/2026

प्रेषक,

डॉ० एस० कुमारसामी, भा० व० सं०,
क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-
मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक,
बिहार, पटना।

विषय:-

विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें
अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :-

आपका पत्रांक-281 दिनांक 24.02.2026।

महाराय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के आलोक में जमुई वन प्रमंडल, जमुई के पत्रांक 560
दिनांक 25.02.2026 द्वारा नागी डैम वन्यजीव अभ्यारण्य एवं नकटी डैम पक्षी आश्रयणी से संबंधित मांग की
गई प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है। जो इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजी जा रही है।
अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासभाजन

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

54

बिहार सरकार

61

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार।

कार्यालय:-वन प्रमंडल पदाधिकारी, जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

असोक टाउन हॉल रोड, जमुई। पिनकोड- 811307,

फोन नं०- 06345-222036, 9473053950, Email- jamuidfo@gmail.com

पत्रांक- अमा10 / 560

प्रेषक,

तेजस जायसवाल, भागलपुर,
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

सेवा में,

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

जमुई-811307, दिनांक- 25/02/2026

विषय :- विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी प्रतिपालक आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना का पत्रांक- 234 दिनांक- 19.02.2026

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में सूचित करना है कि विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें उपलब्ध करते हुए आलेख/फोटोग्राफ (सॉफ्ट कॉपी सहित) इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजा जा रहा है।

भवदीय को सूचनार्थ समर्पित।

विश्वासभाजन,
Tejas Jaiswal
25.02.26.
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

पत्रांक- अमा10 /

प्रेषक,

तेजस जायसवाल, भागवतसे0,
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

सेवा में,

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

जमुई-811307, दिनांक..... / / 2026

विषय :-

विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी प्रतिपालक आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :-

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना का पत्रांक- 234 दिनांक- 19.02.2026

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में सूचित करना है कि विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें उपलब्ध करते हुए आलेख/फोटोग्राफ (सॉफ्ट कॉपी सहित) इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजा जा रहा है।

भवदीय को सूचनार्थ समर्पित।

विश्वासभाजन,

ह0/-

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

ज्ञापांक- 560

दिनांक-25/2/2026

प्रतिलिपि:- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना को अनुलग्नक प्रति के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु समर्पित।

Tejas
25.02.26
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

541



बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

कार्यालय:- वन प्रमंडल पदाधिकारी, रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।

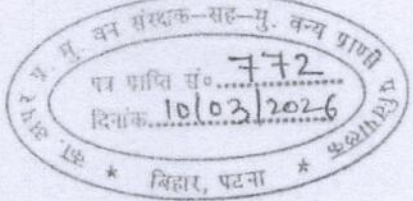
वन भवन सासाराम - 821115, Email-rohtasdf@gmail.com

पत्रांक- 832

23

प्रेषक,

स्टालिन फिडल कुमार के., भा0व0से0,
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।



सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक
-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार।

सासाराम-दिनांक- 25.02.2026

विषय-

विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग:-

भवदीय पत्रांक-281 दिनांक-24.02.2026.

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रसंग में विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कर आलेख/फोटोग्राफ्स (सॉफ्ट कॉपी सहित) इस पत्र के साथ संलग्न कर भवदीय की सेवा में समर्पित की जा रही है।

अनु०:-यथोक्त।

विश्वासभाजन

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।

2/25

WRITE UP REGARDING KAIMUR WILDLIFE SANCTUARY

Kaimur Wildlife Sanctuary represents Bihar's largest protected area, encompassing diverse ecosystems, geological formations, and cultural landmarks across south-western Bihar. It supports vital biodiversity conservation within the distinctive Kaimur Hills landscape.

Sanctuary Overview

Notified in 1979, the sanctuary spans 1,504.96 square kilometers in Kaimur and Rohtas districts. Situated on the undulating plateau of the Kaimur Hills—an extension of the Vindhyan range—it features escarpments, deep valleys, seasonal streams, waterfalls, and forested ridges. The tropical monsoon climate includes hot summers, moderate winters, and seasonal rainfall, with perennial and seasonal streams ensuring hydrological stability.

Forest Types & Vegetation

The sanctuary primarily comprises Tropical Dry Deciduous Forests and mixed forests dominated by Sal (in patches), Teak (plantations and naturalized patches), Dhawra (*Anogeissus latifolia*), Mahua (*Madhuca longifolia*), Tendu (*Diospyros melanoxylon*), and Bamboo (*Dendrocalamus strictus*). These form a diverse mosaic including dry sal forests, *Boswellia* groves (salai), dry bamboo brakes, open grasslands, and scrublands, which adapt to the region's seasonal water availability and rocky soils. This vegetation structure supports soil conservation, carbon sequestration, and habitat connectivity across the rugged terrain.

Fauna Diversity

Mammals include Bengal tigers, Indian leopards, sloth bears, Indian pangolins, sambar deer, chital (spotted deer), four-horned antelopes (chousingha), nilgai (blue bull), wild boars, barking deer, and langurs. Over 70 resident bird species thrive, such as peafowl, grey jungle fowl, painted francolins, and various raptors, reptiles encompass monitor lizards and India Rock python, while insects, butterflies, and fish in lakes like Anupam Lake add to the richness. Waterfalls such as Karkat, Telhar, and Mukha bolster aquatic and riparian habitats

Historical Sites

Key features encompass Rohtasgarh Fort, Shergarh Fort, and megalithic structures. Petroglyphs and prehistoric rock paintings in the Kaimur range of Bihar, particularly in the Adhaura and Chand blocks, date back thousands of years, featuring figures of deities, animals, and hunting scenes.

Ecotourism Sites

Prominent ecotourism attractions include Maa Tutla Bhawani Waterfall, renowned for its scenic beauty and spiritual significance; Gupta Dham, a serene pilgrimage site amid lush surroundings; Karamchat Dam, offering tranquil reservoir views; Telhar Khund, a picturesque cascade; Maa Mundeshwari, an ancient temple complex; and Karkatgarh Waterfall, celebrated for its dramatic seasonal flow. These sites enhance sustainable tourism alongside core sanctuary trails.

Conservation Initiatives

As a proposed Tiger Reserve, it sustains forest-river-plateau ecosystems and catchments for Sone river via contiguous habitats and corridors. Soil Moisture conservation efforts, Regeneration of Degraded Forest (RDF), Grassland management are carried out to improve the habitat for faunal existence. Anti-poaching efforts by regular patrolling and community involved conservation effort is also being carried out.

कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी बिहार का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है, जो दक्षिण-पश्चिमी बिहार में विविध पारिस्थितिक तंत्रों, भू-आकृतिक संरचनाओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों को समाहित करता है। यह विशिष्ट कैमूर पर्वतमाला के परिदृश्य में जैव विविधता संरक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

आश्रयणी का परिचय

वर्ष 1979 में अधिसूचित यह आश्रयणी कैमूर एवं रोहतास जिलों में 1,504.96 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत है। यह कैमूर पहाड़ियों के तरंगित पठारी भू-भाग पर अवस्थित है, जो विंध्य पर्वतमाला का विस्तार है। यहाँ खड़ी चट्टानी ढालें (एस्कार्पमेंट), गहरी घाटियाँ, मौसमी जलधाराएँ, जलप्रपात तथा वनाच्छादित पर्वत-शृंखलाएँ पाई जाती हैं। उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु के अंतर्गत यहाँ गर्म ग्रीष्म, मध्यम शीत ऋतु एवं मौसमी वर्षा होती है। बारहमासी एवं मौसमी जलधाराएँ क्षेत्र की जल-पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करती हैं।

वन प्रकार एवं वनस्पति

आश्रयणी में मुख्यतः उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन एवं मिश्रित वन पाए जाते हैं। प्रमुख प्रजातियों में साल, सागौन (रोपण एवं प्राकृतिक रूप से स्थापित क्षेत्र), धौरा (*Anogeissus latifolia*), महुआ (*Madhuca longifolia*), तेंदू (*Diospyros melanoxylon*) तथा बांस (*Dendrocalamus strictus*) शामिल हैं। ये वन शुष्क साल वनखंडों, सालई (बोसवेलिया) के उपवनों, शुष्क बाँस झुरमुटों, खुली घासभूमियों एवं झाड़ीदार क्षेत्रों का विविध मिश्रण प्रस्तुत करते हैं, जो क्षेत्र की मौसमी जल उपलब्धता एवं पथरीली मिट्टी के अनुरूप विकसित हुए हैं। यह वनस्पति संरचना मृदा संरक्षण, कार्बन अवशोषण तथा दुर्गम भू-भाग में आवासीय संपर्क (हैबिटेट कनेक्टिविटी) को सुदृढ़ करती है।

प्राणी विविधता

यहाँ पाए जाने वाले स्तनधारियों में बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुआ, भालू (स्लॉथ भालू), भारतीय पैंगोलिन, सांभर, चीतल (spotted deer), चौसिंगा (chousingha), नीलगाय, जंगली सूअर, काकर (भौकने वाला हिरण) तथा लंगूर शामिल हैं। 70 से अधिक स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ जैसे मोर, ग्रे जंगली मुर्गा, पेंटेड फ्रैंकोलिन एवं विभिन्न शिकारी पक्षी यहाँ पाई जाती। सरीसृपों में गोह (मॉनितर लिज़र्ड) एवं अजगर (इंडियन रॉक पाइथन) प्रमुख हैं। कीट, तितलियाँ एवं अनुपम झील जैसी जलाशयों की मछलियाँ जैव विविधता को और समृद्ध बनाती हैं। करकट, तेलहर एवं मुखा जैसे जलप्रपात जलीय एवं तटीय आवासों को सुदृढ़ करते हैं।

ऐतिहासिक स्थल

आश्रयणी क्षेत्र में रोहतासगढ़ किला, शेरगढ़ किला तथा मेगालिथिक संरचनाएँ स्थित हैं। बिहार के कैमूर पर्वत क्षेत्र, विशेषकर अधौरा एवं चांद प्रखंडों में शैलचित्र (पेट्रोग्लिफ) एवं प्रागैतिहासिक शैल-चित्र हजारों वर्ष पुराने हैं, जिनमें देवी-देवताओं, पशुओं एवं शिकार के दृश्यों का चित्रण मिलता है।

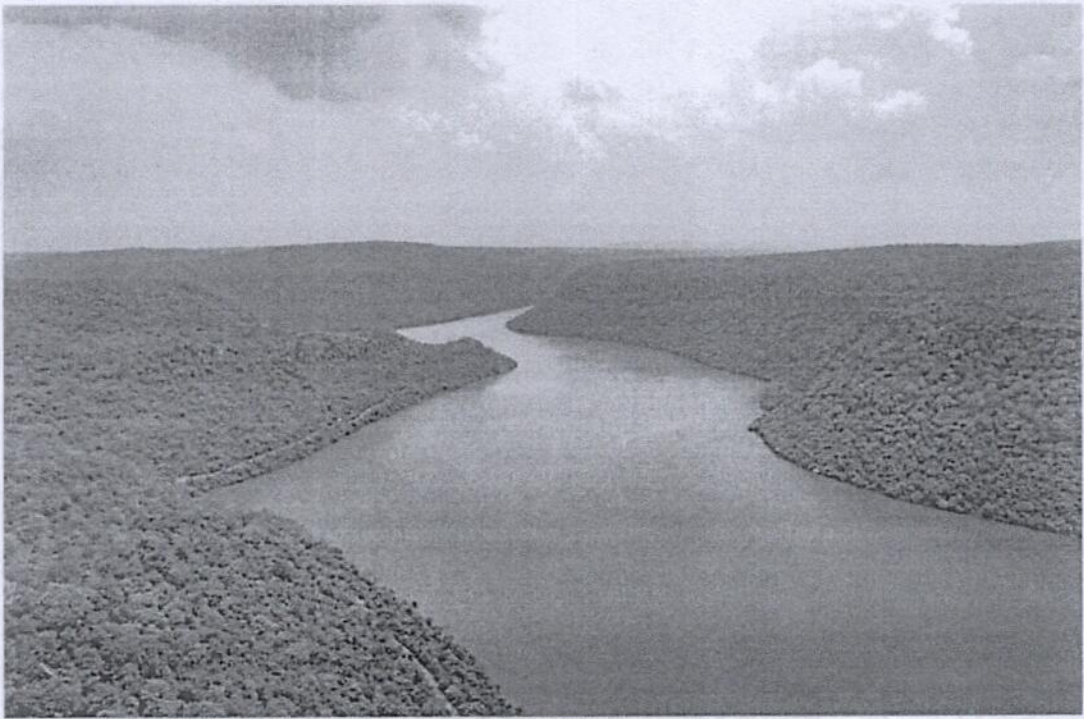
ईको-पर्यटन स्थल

प्रमुख ईको-पर्यटन स्थलों में माँ तुतला भवानी जलप्रपात (अपने प्राकृतिक सौंदर्य एवं आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध), गुप्ता धाम (हरित परिवेश में स्थित शांत तीर्थ स्थल), करमचट बांध (शांत जलाशय दृश्य), तेलहर कुंड (मनोरम जलप्रपात), माँ मुंडेश्वरी मंदिर परिसर (प्राचीन धार्मिक स्थल) तथा करकटगढ़ जलप्रपात (अपने मौसमी प्रचंड प्रवाह के लिए प्रसिद्ध) शामिल हैं। ये स्थल आश्रयणी के मुख्य परिक्षेत्र के साथ सतत पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

संरक्षण पहल

प्रस्तावित टाइगर रिजर्व के रूप में यह क्षेत्र वन-नदी-पठार पारिस्थितिक तंत्र एवं सोन नदी के जलागम क्षेत्र को सतत आवासीय संपर्क एवं कॉरिडोर के माध्यम से संरक्षित करता है। मृदा एवं आर्द्रता संरक्षण कार्य, अवनत वनों का पुनर्जीवन (RDF), तथा घासभूमि प्रबंधन जैसे उपाय वन्यजीवों के आवास सुधार हेतु किए जा रहे हैं। नियमित गश्ती के माध्यम से अवैध शिकार निरोधी प्रयास एवं सामुदायिक सहभागिता आधारित संरक्षण गतिविधियाँ भी संचालित की जा रही हैं।

S38



S37



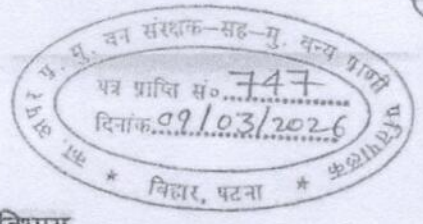
S36



535



534



बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

कार्यालय:- वन प्रमंडल पदाधिकारी, रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।

वन भवन सासाराम - 821115, Email-rohtasdfo@gmail.com

पत्रांक- 832

Handwritten notes in the left margin:
 26/2/2026
 31/3/2026
 29/2/2026

प्रेषक,

स्टालिन फिडल कुमार के., भा0व0से0,
 वन प्रमंडल पदाधिकारी,
 रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक
 -सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार।

सासाराम-दिनांक- 25.02.2026

विषय:-

विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनार्ये अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग:-

भवदीय पत्रांक-281 दिनांक-24.02.2026.

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रसंग में विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनार्ये अद्यतन कर आलेख/फोटोग्राफ्स (सॉफ्ट कॉपी सहित) इस पत्र के साथ संलग्न कर भवदीय की सेवा में समर्पित की जा रही है।

अनु०:-यथोक्त।

विश्वासभाजन

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
 रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम।

Handwritten signature/initials in the bottom left corner.

WRITE UP REGARDING KAIMUR WILDLIFE SANCTUARY

Kaimur Wildlife Sanctuary represents Bihar's largest protected area, encompassing diverse ecosystems, geological formations, and cultural landmarks across south-western Bihar. It supports vital biodiversity conservation within the distinctive Kaimur Hills landscape.

Sanctuary Overview

Notified in 1979, the sanctuary spans 1,504.96 square kilometers in Kaimur and Rohtas districts. Situated on the undulating plateau of the Kaimur Hills—an extension of the Vindhyan range—it features escarpments, deep valleys, seasonal streams, waterfalls, and forested ridges. The tropical monsoon climate includes hot summers, moderate winters, and seasonal rainfall, with perennial and seasonal streams ensuring hydrological stability.

Forest Types & Vegetation

The sanctuary primarily comprises Tropical Dry Deciduous Forests and mixed forests dominated by Sal (in patches), Teak (plantations and naturalized patches), Dhawra (*Anogeissus latifolia*), Mahua (*Madhuca longifolia*), Tendu (*Diospyros melanoxylon*), and Bamboo (*Dendrocalamus strictus*). These form a diverse mosaic including dry sal forests, Boswellia groves (salai), dry bamboo brakes, open grasslands, and scrublands, which adapt to the region's seasonal water availability and rocky soils. This vegetation structure supports soil conservation, carbon sequestration, and habitat connectivity across the rugged terrain.

Fauna Diversity

Mammals include Bengal tigers, Indian leopards, sloth bears, Indian pangolins, sambar deer, chital (spotted deer), four-horned antelopes (chousingha), nilgai (blue bull), wild boars, barking deer, and langurs. Over 70 resident bird species thrive, such as peafowl, grey jungle fowl, painted francolins, and various raptors, reptiles encompass monitor lizards and India Rock python, while insects, butterflies, and fish in lakes like Anupam Lake add to the richness. Waterfalls such as Karkat, Telhar, and Mukha bolster aquatic and riparian habitats

Historical Sites

Key features encompass Rohtasgarh Fort, Shergarh Fort, and megalithic structures. Petroglyphs and prehistoric rock paintings in the Kaimur range of Bihar, particularly in the Adhaura and Chand blocks, date back thousands of years, featuring figures of deities, animals, and hunting scenes.

Ecotourism Sites

Prominent ecotourism attractions include Maa Tutla Bhawani Waterfall, renowned for its scenic beauty and spiritual significance; Gupta Dham, a serene pilgrimage site amid lush surroundings; Karamchat Dam, offering tranquil reservoir views; Telhar Khund, a picturesque cascade; Maa Mundeshwari, an ancient temple complex; and Karkatgarh Waterfall, celebrated for its dramatic seasonal flow. These sites enhance sustainable tourism alongside core sanctuary trails.

Conservation Initiatives

As a proposed Tiger Reserve, it sustains forest-river-plateau ecosystems and catchments for Sone river via contiguous habitats and corridors. Soil Moisture conservation efforts, Regeneration of Degraded Forest (RDF), Grassland management are carried out to improve the habitat for faunal existence. Anti-poaching efforts by regular patrolling and community involved conservation effort is also being carried out.

कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी बिहार का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है, जो दक्षिण-पश्चिमी बिहार में विविध पारिस्थितिक तंत्रों, भू-आकृतिक संरचनाओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों को समाहित करता है। यह विशिष्ट कैमूर पर्वतमाला के परिदृश्य में जैव विविधता संरक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

आश्रयणी का परिचय

वर्ष 1979 में अधिसूचित यह आश्रयणी कैमूर एवं रोहतास जिलों में 1,504.96 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत है। यह कैमूर पहाड़ियों के तरंगित पठारी भू-भाग पर अवस्थित है, जो विंध्य पर्वतमाला का विस्तार है। यहाँ खड़ी चट्टानी ढालें (एस्कार्पमेंट), गहरी घाटियाँ, मौसमी जलधाराएँ, जलप्रपात तथा वनाच्छादित पर्वत-शृंखलाएँ पाई जाती हैं। उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु के अंतर्गत यहाँ गर्म ग्रीष्म, मध्यम शीत ऋतु एवं मौसमी वर्षा होती है। बारहमासी एवं मौसमी जलधाराएँ क्षेत्र की जल-पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करती हैं।

वन प्रकार एवं वनस्पति

आश्रयणी में मुख्यतः उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन एवं मिश्रित वन पाए जाते हैं। प्रमुख प्रजातियों में साल, सागौन (रोपण एवं प्राकृतिक रूप से स्थापित क्षेत्र), धौरा (*Anogeissus latifolia*), महुआ (*Madhuca longifolia*), तेंदू (*Diospyros melanoxylon*) तथा बांस (*Dendrocalamus strictus*) शामिल हैं। ये वन शुष्क साल वनखंडों, सालई (बोसवेलिया) के उपवनों, शुष्क बाँस झुरमुटों, खुली घासभूमियों एवं झाड़ीदार क्षेत्रों का विविध मिश्रण प्रस्तुत करते हैं, जो क्षेत्र की मौसमी जल उपलब्धता एवं पथरीली मिट्टी के अनुरूप विकसित हुए हैं। यह वनस्पति संरचना मृदा संरक्षण, कार्बन अवशोषण तथा दुर्गम भू-भाग में आवासीय संपर्क (हैबिटेट कनेक्टिविटी) को सुदृढ़ करती है।

प्राणी विविधता

यहाँ पाए जाने वाले स्तनधारियों में बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुआ, भालू (स्लॉथ भालू), भारतीय पेंगोलिन, सांभर, चीतल (spotted deer), चौसिंगा (chousingha), नीलगाय, जंगली सूअर, काकर (भौंकने वाला हिरण) तथा लंगूर शामिल हैं। 70 से अधिक स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ जैसे मोर, ग्रे जंगली मुर्गा, पेंटेड फ्रैंकोलिन एवं विभिन्न शिकारी पक्षी यहाँ पाई जाती हैं। सरीसृपों में गोह (मॉनियर लिज़र्ड) एवं अजगर (इंडियन रॉक पाइथन) प्रमुख हैं। कीट, तितलियाँ एवं अनुपम झील जैसी जलाशयों की मछलियाँ जैव विविधता को और समृद्ध बनाती हैं। करकट, तेलहर एवं मुखा जैसे जलप्रपात जलीय एवं तटीय आवासों को सुदृढ़ करते हैं।

ऐतिहासिक स्थल

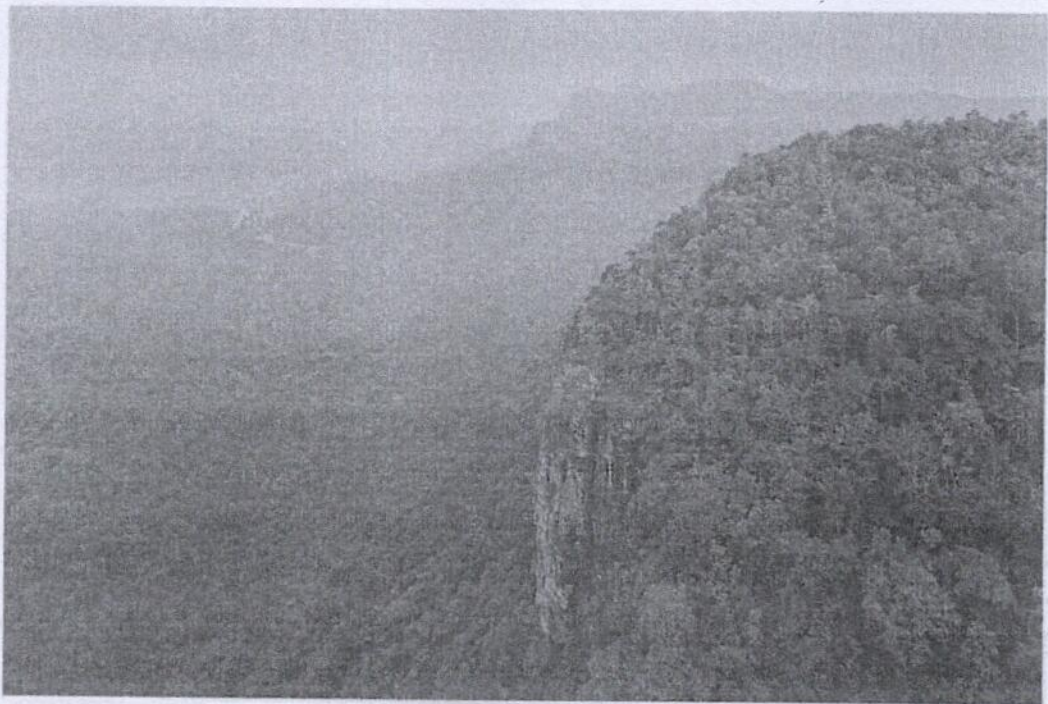
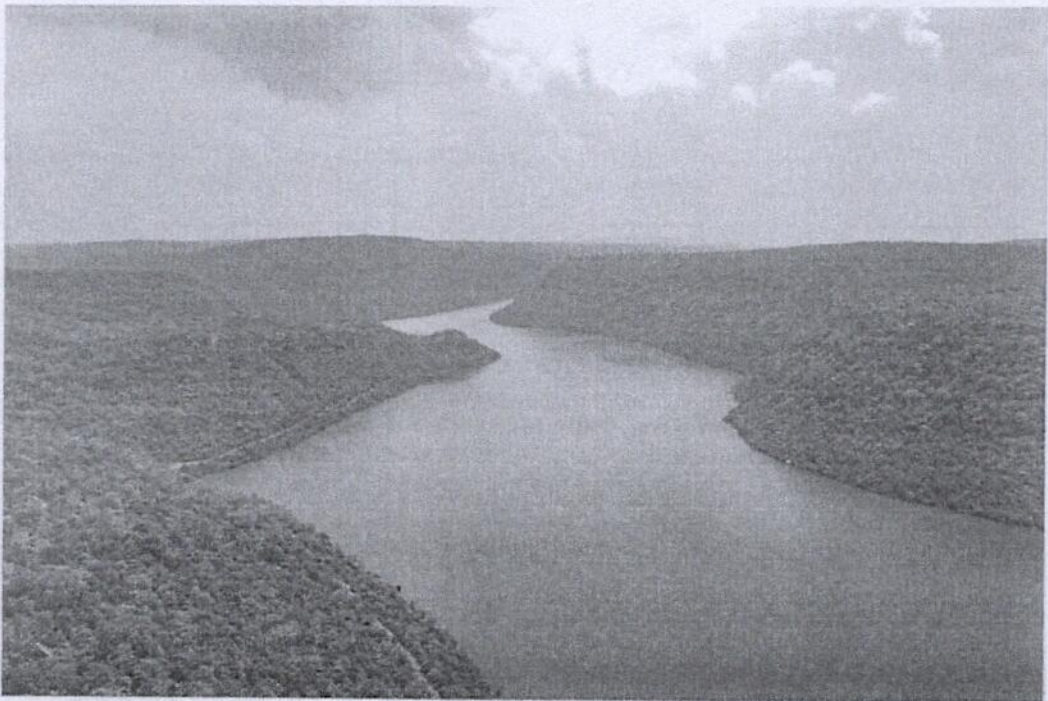
आश्रयणी क्षेत्र में रोहतासगढ़ किला, शेरगढ़ किला तथा मेगालिथिक संरचनाएँ स्थित हैं। बिहार के कैमूर पर्वत क्षेत्र, विशेषकर अथौरा एवं चांद प्रखंडों में शैलचित्र (पेट्रोग्लिफ) एवं प्रागैतिहासिक शैल-चित्र हजारों वर्ष पुराने हैं, जिनमें देवी-देवताओं, पशुओं एवं शिकार के दृश्यों का चित्रण मिलता है।

ईको-पर्यटन स्थल

प्रमुख ईको-पर्यटन स्थलों में माँ तुतला भवानी जलप्रपात (अपने प्राकृतिक सौंदर्य एवं आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध), गुप्ता धाम (हरित परिवेश में स्थित शांत तीर्थ स्थल), करमचट बांध (शांत जलाशय दृश्य), तेलहर कुंड (मनोरम जलप्रपात), माँ मुंडेश्वरी मंदिर परिसर (प्राचीन धार्मिक स्थल) तथा करकटगढ़ जलप्रपात (अपने मौसमी प्रचंड प्रवाह के लिए प्रसिद्ध) शामिल हैं। ये स्थल आश्रयणी के मुख्य परिक्षेत्र के साथ सतत पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

संरक्षण पहल

प्रस्तावित टाइगर रिजर्व के रूप में यह क्षेत्र वन-नदी-पठार पारिस्थितिक तंत्र एवं सोन नदी के जलागम क्षेत्र को सतत आवासीय संपर्क एवं कॉरिडोर के माध्यम से संरक्षित करता है। मृदा एवं आर्द्रता संरक्षण कार्य, अवनत वनों का पुनर्जीवन (RDF), तथा घासभूमि प्रबंधन जैसे उपाय वन्यजीवों के आवास सुधार हेतु किए जा रहे हैं। नियमित गश्ती के माध्यम से अवैध शिकार निरोधी प्रयास एवं सामुदायिक सहभागिता आधारित संरक्षण गतिविधियाँ भी संचालित की जा रही हैं।



S20





518



(527)



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार
कार्यालय-निदेशक, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, पटना।

अरण्य भवन, द्वितीय तल, शहीद पीर अली स्मॉ मार्ग (राईडिंग रोड) शेषपुरा, पो.- भेटनरी कॉलेज, पटना -800014,
मो. नं. 8797376579, दूरभाष नं. 0612-2226270, Email - directorecologybihar@gmail.com; directoenv-bih@gov.in

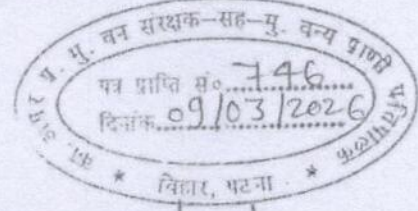
संख्या:- पारि एवं पर्या. 05 वि. (कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी तकनीकी) 03/20 - 286

प्रेषक,

एस. चन्द्रशेखर, भा.व.से.
निदेशक, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-
मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना।



पटना-14, दिनांक:- 25/02/2026

विषय:-

विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनार्थे अद्यतन कराने हेतु आलेख/ फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग:-

भवदीय कार्यालय का पत्रांक 281 दिनांक 24.02.2026 एवं पत्रांक 234 दिनांक 19.02.2026

महाशय,

प्रसंगाधीन पत्र द्वारा वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान/ वन्यजीव आश्रयणी/ कैमूर वन्यजीव आश्रयणी/ भीमबाँध वन्यजीव आश्रयणी एवं उदयपुर वन्यजीव आश्रयणी से संबंधित आलेख एवं फोटोग्राफ्स (सॉफ्ट कॉपी) उपलब्ध कराया गया है, जिसे संलग्न प्रेषित किया जा रहा है।

भवदीय की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

अनु०-यथोक्त।

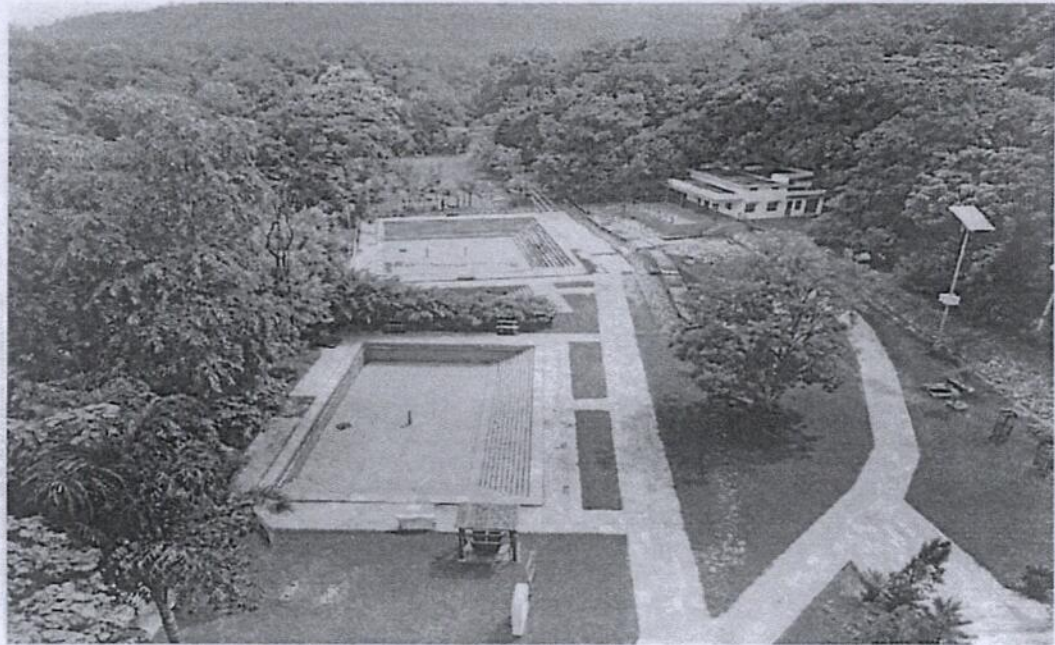
विश्वासभाजन,

निदेशक, पारि. एवं पर्या.

राईडिंग

Bhimbandh Eco-Toursim Site

1. Eco-Tourism refers to sustainable and nature-based tourism activities centered around Bhimbandh Wildlife Sanctuary, a vast wildlife sanctuary and ecological hotspot in Munger district, Bihar. The idea of eco-tourism here is to allow visitors to experience pristine natural landscapes, biodiversity, hot springs and cultural traditions while conserving the environment and improving local livelihoods. Eco-tourism is a responsible, low-impact approach to travel that benefits local communities, protects habitats, and educates visitors about environmental conservation and cultural heritage — distinct from mass tourism. Bhimbandh is especially suited for eco-tourism because of its rich forests, hot springs, diverse wildlife, scenic landscapes and mythological history, making it one of Bihar's most promising natural destinations.



2. **Geography and Natural Environment:-** Bhimbandh Wildlife Sanctuary is located in the south-west of Munger district in Bihar (around 56 km from Munger town). It lies on the northern edge of the Chota Nagpur Plateau, south of the Ganges River and near the border with Santhal Pargana.

The sanctuary covers a vast area of approximately 680 square kilometres, including undulating hills, plateaus, deep valleys, forests and riverine terrain. This varied topography gives Bhimbandh a scenic beauty unlike most other destinations in the region.

Climate & Best Time to Visit

- **Climate:** Subtropical with hot summers and cool winters.
- **Best Season:** October to March, when temperatures are pleasant and wildlife viewing is more comfortable.

3. **History and Cultural Significance:-** The name "Bhimbandh" comes from Bhim, one of the five Pandava brothers in the epic Mahabharata. According to legend, during their exile, Bhim built a "bandh" (dam) across a stream in this area to create shelter for the group — and remnants of the ancient structure are still shown by locals.

This mythological association makes the place culturally significant, linking natural beauty with India's ancient heritage. Such traditions enrich visitors' experience by connecting them to stories, faith and local folklore.



4. **Biodiversity:-**

Flora & Fauna:-The sanctuary is noted for its richly diverse ecosystem — one of the reasons it draws nature lovers:

:-Bhimbandh supports a variety of mammals and birds, including:

- Leopards and tigers
- Sloth bears
- Sambar deer, chital
- Four-horned antelope
- Numerous other mammals and reptiles

It is also an important habitat for many bird species, especially in wetlands and lakes within the sanctuary, making the area attractive for bird watchers and photographers.

Flora and Forests:-

The forests here include a mix of:

- Sal trees
- Bamboo groves
- Grasslands
- Smaller species of shrubs and climbers

This vegetation supports many herbivores and acts as a crucial ecological buffer in the region.

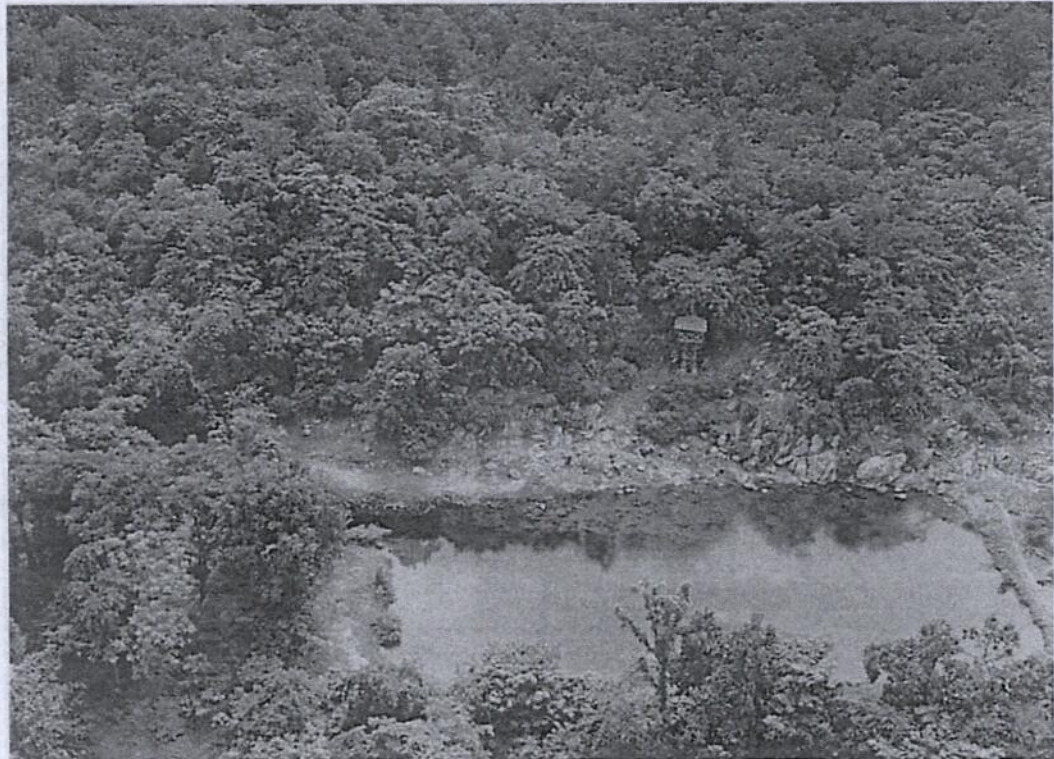
5. Unique Feature:

Hot Springs:- One of Bhimbandh's biggest attractions is its natural hot water springs — warm springs that maintain almost the same temperature throughout the year.

Some key springs include:

- Bhimbandh spring — the hottest (52 °C to 65 °C) with significant geothermal potential.
- Sita Kund & Rishi Kund — smaller springs also rich in warm water and scenic appeal.

These springs are believed to have therapeutic properties, attracting visitors seeking wellness benefits. They also offer interesting geology and scientific value.



6. Attractions and Activities:-

Eco-tourism at Bhimbandh isn't just about sightseeing — it's about experiences. Here are some key activities and places to explore:

Bird Watching & Wildlife Viewing

- Wetlands, lakes and forest edges are great for spotting native and migratory birds. ☑

Forest Experiences

- Visitors can explore dense forests, enjoy picnics, and learn about flora and fauna with local guides.

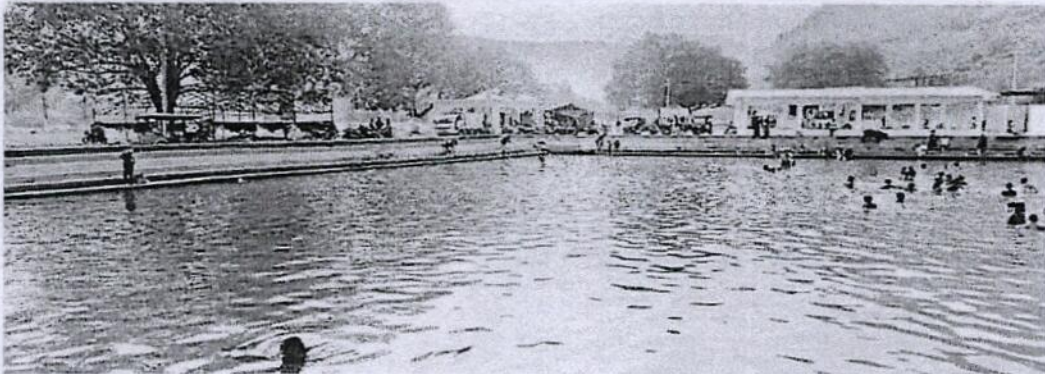
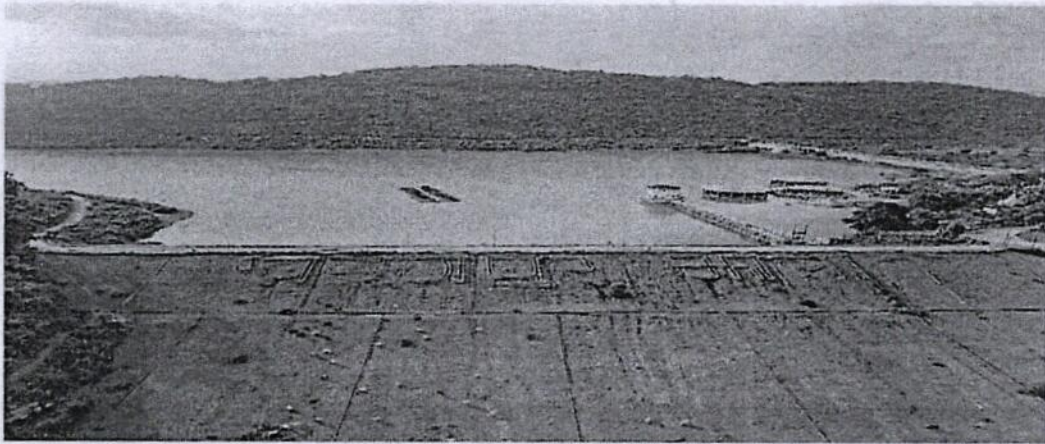
Photography and Scenic Views

- With rolling landscapes, waterfalls and natural beauty, the sanctuary is a photographer's delight.

Nearby Tourist Spots

Places close to Bhimbandh that add variety to your trip include:

- Kharagpur Lake
- Rishi Kund & Sita Kund
- Rameshwar Kund



7. How to Reach Bhimbandh Eco-Tourism Spot

Bhimbandh is accessible by road from major towns:

By Air

- Nearest major airport: Patna Airport (~200 km from the sanctuary).

By Train

- Jamui Railway Station (~20 km),
- Bariarpur Railway Station are the closest railheads.

By Road

- Regular buses and private vehicles can reach Bhimbandh from Munger and nearby towns.

8. Present Facilities & Visitor Infrastructure

As part of its current eco-tourism development, Bhimbandh offers:

- Forest rest houses
- Eco-tourist centres and hot water tanks (for bathing and wellness)

While these are basic now, plans are underway (see next section) to enhance them significantly.



9. Future Development & Eco-Tourism Plans

The Bihar government has recently approved a big plan (around ₹54 crore) to turn Bhimbandh into a major eco-tourism destination by adding:

Visitor-Friendly Infrastructure

- Tree house cottages & eco-lodging
- Wellness zones, Ayurveda village, spa
- Indoor activity area & restaurants

Adventure & Nature Activities

- Trekking paths
- Viewpoints and mountain gazebos
- Forest experience centres

Tourist Facilitation

- Visitor centres at entry points
- Branding and eco signage
- Parking and improved access routes

Local Economic Boost

- Encouraging farming, handicrafts
- Job creation for local residents
- Training and skill development centres

This development seeks not just to attract tourists, but also to sustain the ecosystem and improve local livelihoods — core goals of eco-tourism.

10. Why Bhimbandh Is Special for Eco-Tourism

1. Biodiversity Hotspot

The sanctuary's mix of forests, hills and water bodies supports a wide variety of life — from mammals and birds to reptiles and insects.

2. Mythological Roots

Ties to the Mahabharata give Bhimbandh rich cultural and storytelling value.

3. Unique Natural Springs

Few places in India have natural hot springs integrated into forest landscapes — making it a rare destination for nature fans.

4. Sustainable Tourism Focus

Unlike crowded commercial sites, Bhimbandh emphasizes low-impact tourism that respects wildlife and local culture.

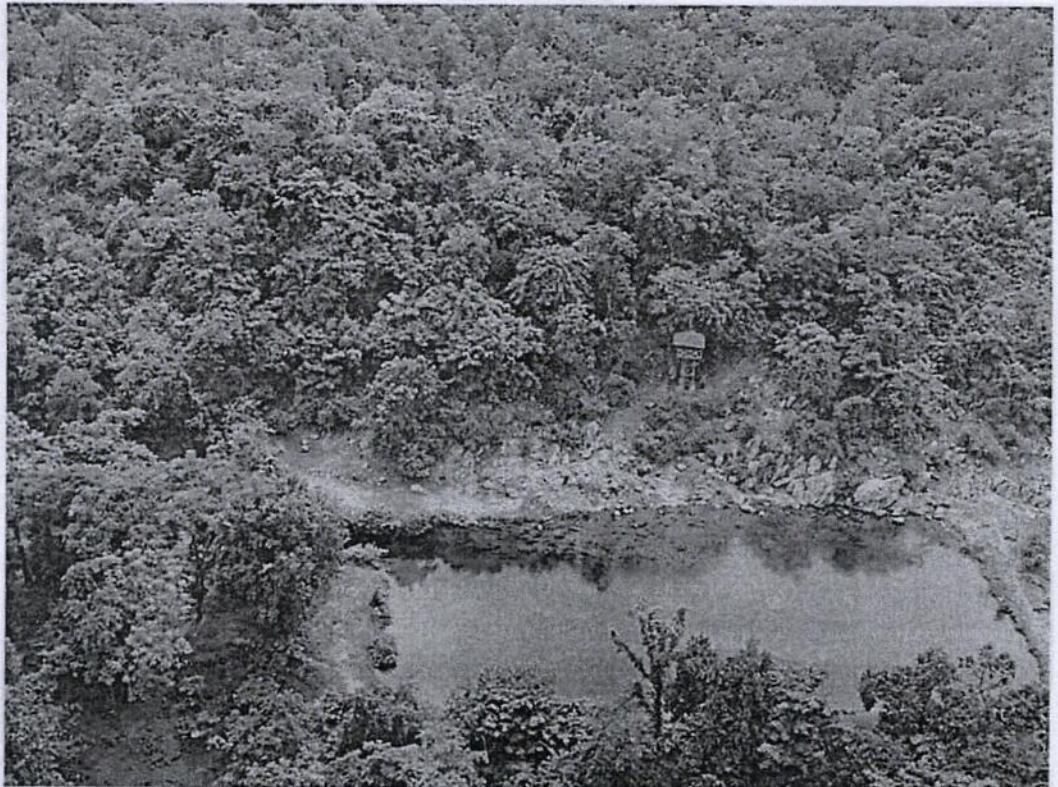
11. Practical Tips for Visitors

- Wear comfortable shoes for trekking and forest walks.
- Carry water and snacks, especially in remote areas.
- Respect local wildlife and forest rules.
- Visit in winter months for pleasant weather.
- Hire local guides to make the most of your experience.

12. Conclusion:-

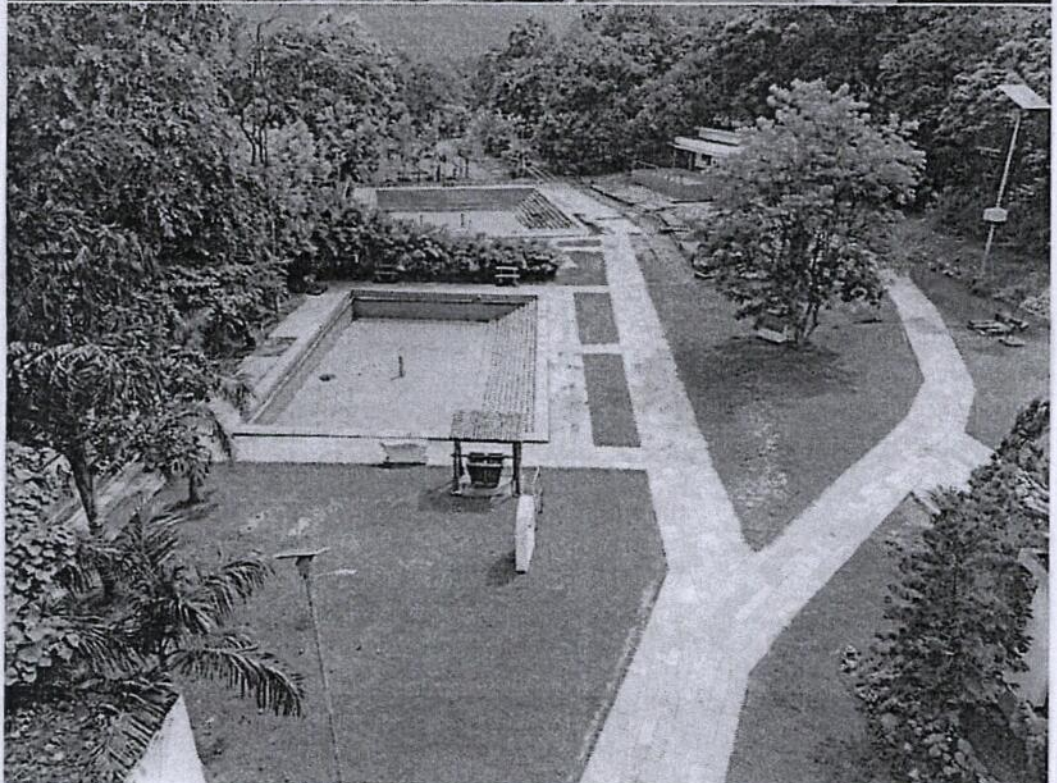
Bhimbandh Eco-Tourism isn't just another tourist spot — it's an immersive journey into nature, history and community life. With its vast forests, wildlife, hot springs and scenic beauty, it has the potential to become one of Bihar's top eco-tourism destinations. Ongoing improvements promise a blend of adventure, relaxation, culture and sustainability, making Bhimbandh a must-visit for nature enthusiasts, families, researchers, and eco-travelers alike.

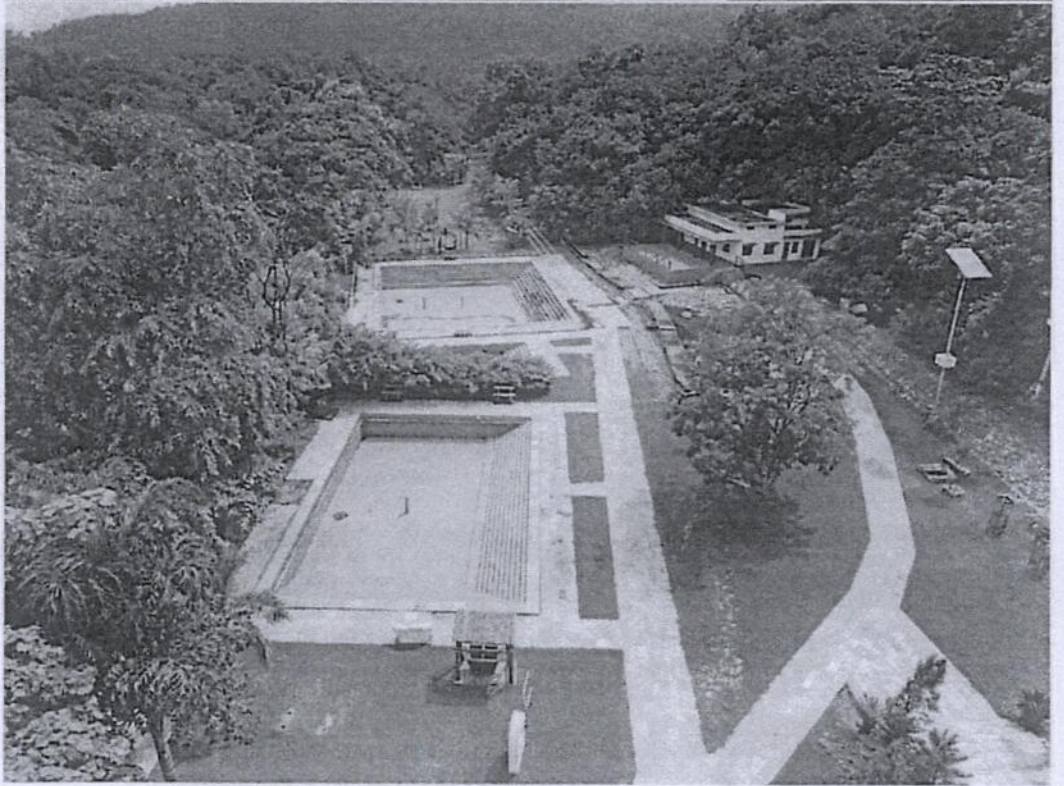
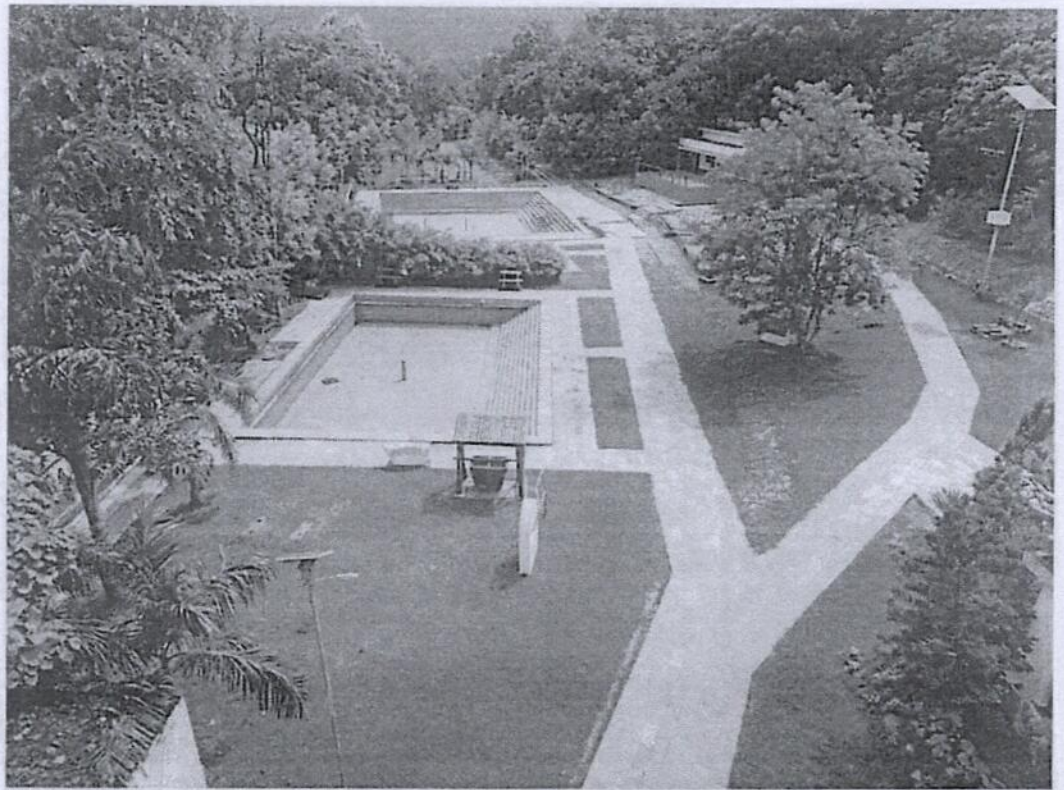
59





517





S16



Kaimur Wildlife Sanctuary

The Kaimur Wildlife Sanctuary is the largest wildlife sanctuary in the state of Bihar. It was established in 1979. Located within the Vindhya mountain range in the Kaimur and Rohtas districts, the sanctuary covers a total area of approximately 1539.86 square kilometers. The area is comprised of hills, plateaus, grasslands, and waterfalls.

This sanctuary is located in the Kaimur Range of the Vindhya mountain range. The terrain is rugged, with dense forests, valleys, and seasonal rivers. Famous waterfalls such as Karakatgarh, Telhar Kund, Vanshikhoh, Tutla Bhawani, and Dhuan Kund attract tourists.

The vegetation here is primarily tropical dry deciduous forest. Major tree species include sal, teak, mahua, palash, jamun, and bamboo. These provide suitable habitat for wildlife.

Mammals such as leopards, bears, sambar, chital, ghorparas, and four-horned antelopes are found in the sanctuary. In addition, numerous birds and reptiles also inhabit the sanctuary.

The Kaimur region is home to prehistoric rock paintings, megalithic structures, and historical sites such as the Rohtasgarh Fort. This region is a unique blend of natural and cultural heritage.

The Kaimur Wildlife Sanctuary is an invaluable natural heritage of Bihar. It holds immense importance in terms of biodiversity, natural beauty, and conservation. This region plays a vital role in environmental protection and the development of eco-tourism.

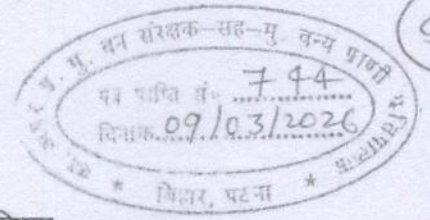


(513)



512





बिहार सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय: वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष,
फौरिस्ट कॉलनी, पिउनी बाग, प० चम्पारण, बेतिया-845438,
Phone: 06254 - 245331; Email address- fdvalmikitr@gmail.com/ cfbetiah-bih@gov.in

पत्रांक... 826.../बेतिया दिनांक... 25.02.26.../

प्रेषक,

गौरव ओझा, MAOVO से,
वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक,
वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष, बेतिया।

सेवा में,

निदेशक,
पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण
बिहार, पटना।

विषय:-

विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनार्ये अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग:-

भवदीय का कार्यालय पत्रांक संख्या-पारि. एवं पर्या. 05 वि. (कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी तकनीकी) 03/20-265 पटना-14, दिनांक-24.02.2026।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि प्रासंगिक पत्र के आलोक में वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष, प्रमण्डल-1/2 एवं बेतिया वन प्रमण्डल, बेतिया से संबंधित वॉछित सूचनार्ये Soft & Hard Copy में आलेख एवं फोटोग्राफ ईमेल के माध्यम से संलग्न कर समर्पित की जा रही है। साथ ही वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष का Logo भी Soft & Hard Copy में संलग्न कर समर्पित की जा रही है, जिसे परिवर्तित करने की आवश्यकता है।

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु समर्पित।

अनु:-यथोक्त।

विश्वासभाजन,

बि. 6
दि. 25.02.2026
वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक,
वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष, बेतिया।

1/2/26

(516)

ज्ञापांक:- 836 दिनांक:- 25.02.26.

प्रतिलिपि:- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कारवाई हेतु समर्पित।

l.6
25/2/26

वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक,
वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष, बेतिया।

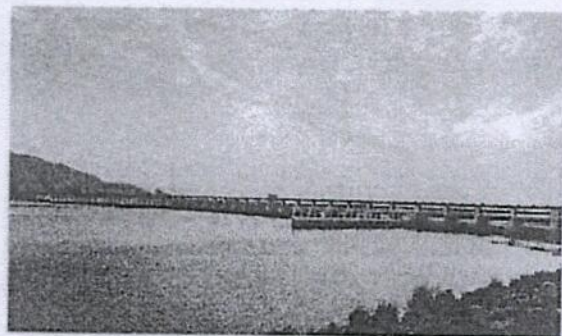
VALMIKI TIGER RESERVE:- A JOURNEY INTO THE WILD

Valmiki Tiger Reserve (VTR) forms the eastern most limit of the Himalayan Terai forests in India, and lies in the north-westernmost West Champaran district of Bihar. It is the only tiger reserve in the state. The pristine forest and wilderness of VTR is an excellent example of Himalayan Terai landscape. Comprising both Valmiki National Park and Valmiki Wildlife Sanctuary, VTR forest area covers Approximately 900 sq. km - a whopping 17.4 per cent of the total geographical area of West Champaran district.

The extensive forest area of Valmiki Tiger Reserve was previously owned by the Bettiah Raj and Ramnagar Raj until the early 1950s. The area was subjected to large scale afforestation with teak, semal, shisham and bamboo. Subsequently, VTR was constituted as the 18th reserve under Project Tiger of Government of India, on March 11, 1994.

SCENIC LANDSCAPE

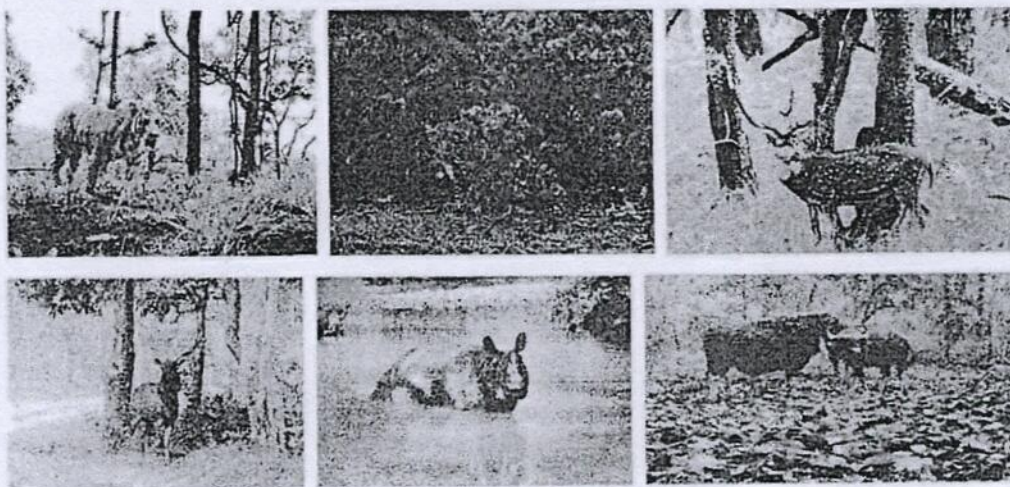
VTR encompasses foothill ranges of Himalayan Siwaliks with mosaic of cliffs, ridges, gorges, hills and valleys, besides dense forests, open woodlands and grasslands. Situated in Gangetic plains bio-geographic zone of the country, the forest has combination of bhabhar and terai tracts. Boulder and pebble deposits by the Himalayan rivers in foothills characterize the bhabhar tract while the finer sediments deposits feature terai lands. Criss-crossing and meandering rivers, streams and rivulets, canals and swamps feature on these lands. Gandak forms the western boundary of Valmiki Tiger Reserve. It enters India at Valmikinagar, where two rivulets Sohna and Pachnad join it, forming a holy confluence 'Triveni'. Harha-Masan river system originates from the Valmikinagar forests and forms Burhi Gandak down south.



WILDLIFE DIVERSITY

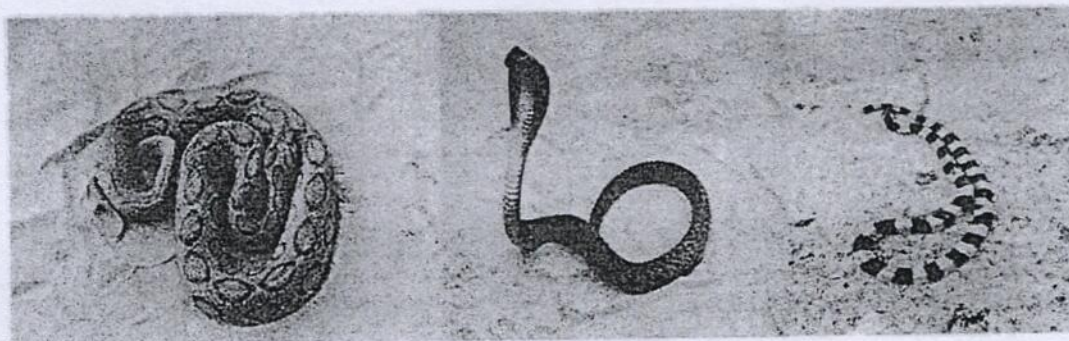
Mammals: Tigers, Sloth Bear, Leopard, Indian Gaur, Hyena, Wild Dogs etc reside in VTR. Several species of Deer and Antelope viz Barking Bear, Spotted Deer, Hog Deer, Sambar, Blue Bull are also present. Apart from these, Leopard Cat, Wild Cat, Fishing Cat, Chinese Pangolin, Indian Pangolin, Wild Boar, Himalayan Serow, Civets, Flying

Squirrel etc can also be sighted. On the main road from Madanpur to Valmikinagar, large number of Indian flying fox can be seen.



Reptiles:-

These include Burmese Python, Rock Python, Cobra, Viper, King Cobra, Common Krait, Banded krait, Sand Boa), etc. Among aquatic reptiles Crocodiles, Otters, Gharial, Monitor Lizard, etc. are present.



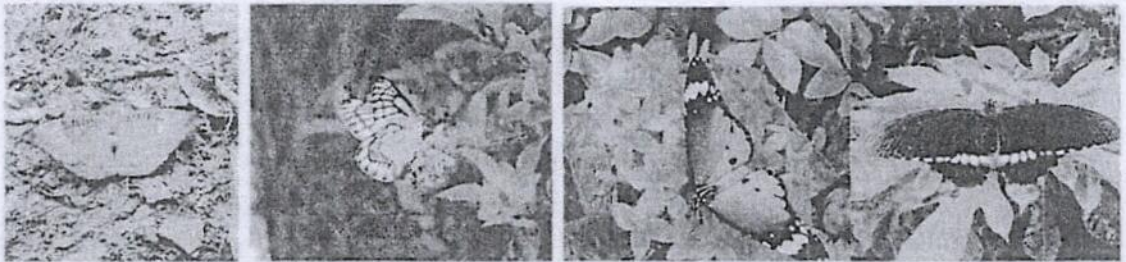
Birds: -

More than 250 bird species have been reported, including Nepal Khaleej pheasant, three-toed quail, flycatcher, grey shrike, green willow warbler, tree pipit, and green barbet, waders, ibises, storks, pitta, plovers, snipes, pied hornbill and emerald dove. There are five types of green pigeons and purple wood pigeon found here. At night several owls, owlets, nightjars, etc can be easily sighted.



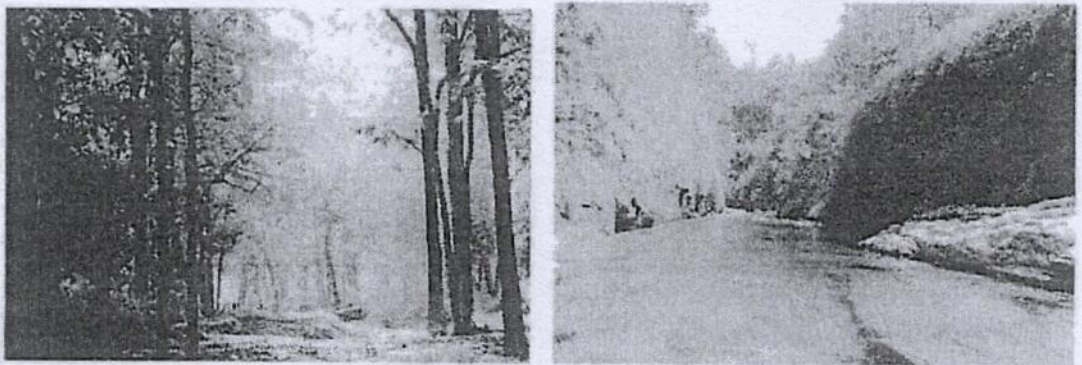
Butterflies: -

Jungle of VTR abound in Various kinds of Moth, Caterpillars and Butterflies. Some Common Butterflies like Common Mormon, Great Mormon, Glassy Tiger, Great Egg fly, Club Beak, Grey Pansy, Lime Butterfly Can Easily Be Sighted.



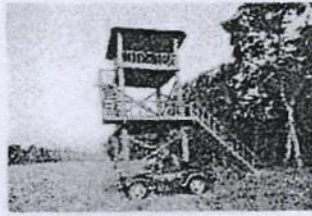
PLANT DIVERSITY:-

There are seven forest types found in VTR which makes it a special destination for nature lovers: Bhabar Dun Sal Forest, Dry Siwalik Sal Forest, West Gangetic Moist Mixed Deciduous Forest, Khair Sissoo Forest, Cane Brakes, Eastern Wet Alluvial Grassland, and Barringtonia Swamp Forest. The important tree species found in valley areas of VTR are Sal, Karam, Asan, Bahera, Asidh, Simal, Satsal, etc. Besides, in hilly regions, Piyar, Mandar, Banjan, Bhelwa, Harra, Boderia etc are found. Cane breaks are mainly found in Madanpur forest block, providing a suitable habitat for tigers. There is a small isolated patch of Chirpine forest, locally known as Dhup, found in Raghia forest block. The grasses found in VTR include Munj, Kans, Elephant grass, Narkat, Vitiveria zizanioides, Imperata cylindrica, Choranth, Sabai etc. Climbers are also very common, including Mahulan, Mahai, Panilat, Ramdatwan, and Arar. Medicinal plants found here include Satawar, Safed Musli, Dudhkoraiya, Amla, Piper, etc.



Tourist places for Eco-Tourism:-

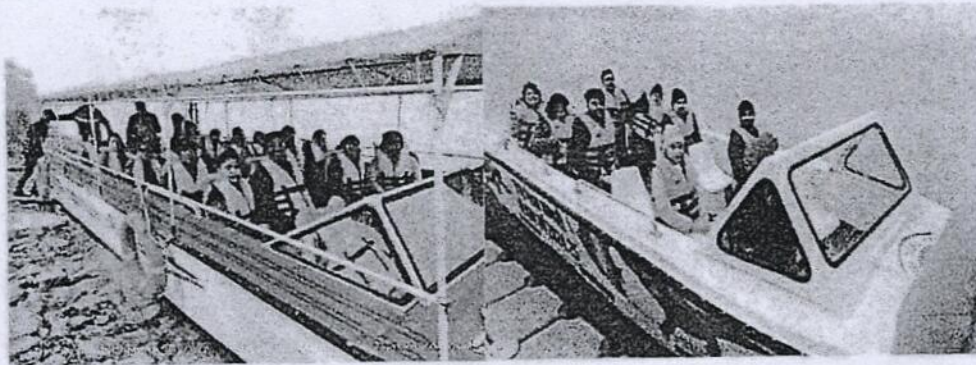
Bheriyari Watch Tower: This wooden watch tower is situated in the Bheriyari Grassland where herds of herbivores can be seen in their natural habitat, besides many varieties of birds.



Bhikhna Thori: Historically it was the resting place (thaur) for Buddhist monks and hence its name. King George V, while passing by, took a rest here. This is a famous picnic spot now.



Boating in Gandak River: It is the potential site for rhinoceros sighting besides being designated as Important Bird Area. One can enjoy boating in Bird Area. One can enjoy boating in shikara along with bird watching. The Gandak riverfront is also a perfect for leisure walks and crocodile sighting.



Eco-park: The Eco-Park at Valmikinagar is teeming with Natural Flora and Recreational Facilities Such as Swings, Slides, Walking Tracks, Benches, Slides Walking Tracks, Benches. etc.



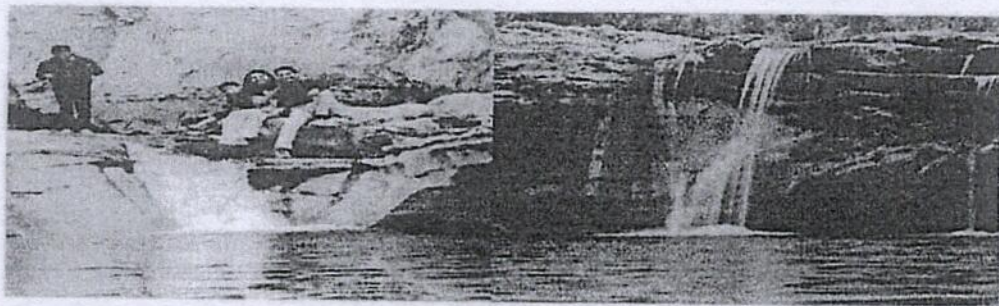
Pandai River: Round, colourful pebbles found on the riverbed attract everyone. The Watch Tower at Thori gives a nice view of this meandering River.



Lalbhitia: On way to Gobardhana from Manguraha, Made of red-clay Soil, this Elevated patch gives a Birds eye-view of Pure-Sal Forest.



Parewa Dah:- One can see Numerous Fishes in the Emerald Blue Crystal-Clear Water here. Doves and bee-eaters Swarming in hundreds reside in high Burrows Surrounding this place.



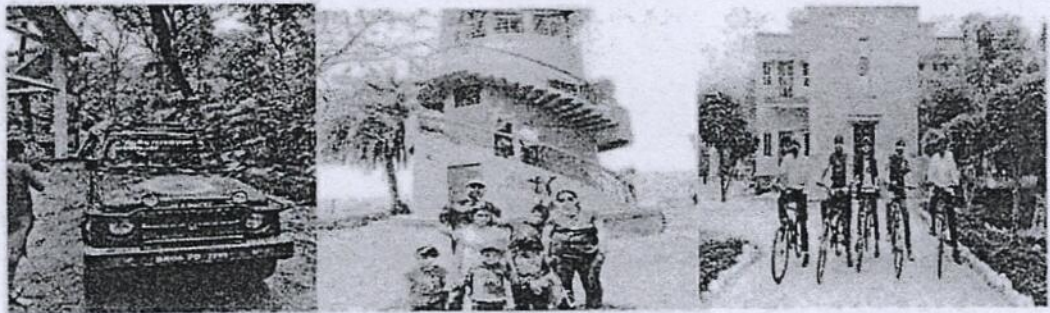
Manguraha Nature Trail: - It's a short trek of 5 km along the dense forest to the Manguraha Awareness Centre a nature Trail is Conducted via Pandai River Manguraha SSB, BOP to Manguraha Range Office Where statues of artificial tiger, bear, elephant, Monkey, Leopard, Deer Etc. Have been Installed for the tourists to see, which is the centre of attraction for the tourists.



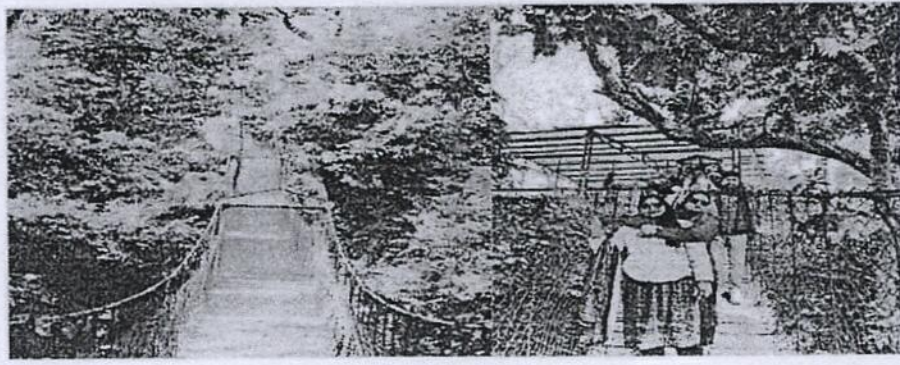
Someshwar Peak:- It is the Highest Peak of VTR Situated at a Height of 2884 feet. One can reach here Trekking 14 Kms from base Camp. At the International Border is an ancient Temple Dedicated to Lord Someshwar and Goddess Kali.



Valmikinagar: From the View Point Situated near the Gandak Barrage One Can Enjoy the Panoramic Sight of Triveni and Nearby areas. Boating in Gandak along the Forest Area is Quite Thrilling. One Can See Gharials, Dolphins, Crocodiles, Turtles along the River.



Kauleshwar Jhula: - A Hanging Bridge Amid the tall Trees of the Jungle, the Kauleshwar Jhula Provides a Unique and Exhilarating Experience to those who Step on it.



Accommodation (No. of double Bedded & four Bedded Rooms)

Valmikinagar	Manguraha	Gobardhana
Suit- 04 Rooms	Suit- 02 Room	Tharu Ac Suit – 04 Room
Bamboo Huts – 06 Rooms	Ac Stay House- 02	Tent Hut – 04
Tree Hut - 01 Room	Ac Deluxe Room- 04	Tourist Hut Ac- 04
Tent Hut – 03 Rooms	Tourist Hut – 02 Room	
Valmiki Vihar Hotel- 12 Rooms	Tent Hut – 06 Rooms	
Kotraha- Eco-Hut – 02 Room		
Dormitory - 40 Beds		

Eco-Tourism Attractions: -

➤ Jungle Safari	➤ Wildlife Film Show
➤ Eco-Park	➤ Nature Trail
➤ Cycle Safari	➤ Gandak Barrage
➤ Motor Boat Gandak Safari	➤ Elephant Shed
➤ Kauleshwar Jhula	➤ Barawamathi Wath Tower
➤ E-Rickshaw Temple Safari	➤ Lalbhitiya Sunset Point
➤ Cultural Programmes	➤ Parewa Dah
➤ Wildlife Film Show	

How to Reach :- By Road:- Patna-Muzaffarpur-Bettiah (210 Kms)/Bettiah-Valmikinagar (105 Km)/ Bettiah-Gobardhana (70 Kms)/Bettiah-Manguraha (65Kms)/Gorakhpur-Valmikinagar (125Kms) .

By Train:- On Muzaffarpur Bapudham Motihari-Bettiah-Gorakhpur Track, nearest Station is Bagaha for Valmikinagar (45Km), Harinagar for Gobardhana (20Km) & Narkatiaganj for Manguraha (25 Km).

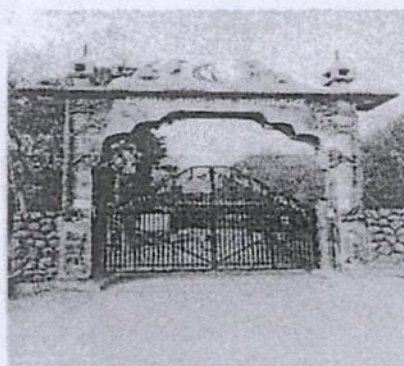
Nearest Airport:- Patna (305 Km) Gorakhpur (125 Km) & Kushinagar (100Kms).

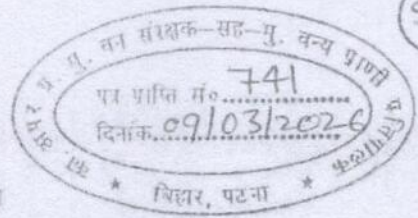
Udaipur wildlife Sanctuary

Udaipur wildlife Sanctuary is a wildlife sanctuary located in West Champaran district of Bihar state, India. It was established in 1978, and covers an area of 8.74 square km. The wildlife sanctuary is predominantly wetland, located on an oxbow lake, popularly known as Udaipur Jheel, was designated as a Ramsar site (Site number 2577) on May 13, 2025, covering 319 hectares in the floodplain of the Gandak River. It is an important biodiversity hotspot, featuring swamp forest, dry riverine forest khair-sissoo forest (*Acacia catechu-Dalbergia sissoo*) and supporting over 35 migratory bird species and is habitat of Spotted Deer, Barking Deer, Wild Boar, Blue Bull, Civet, Jungle cat, Porcupine etc. The cultural dimensions of these sites are intricately interwoven with regional history. The safeguarding of these sites, with active involvement from concerned communities and stakeholders, may aid in their effective and long-term management.

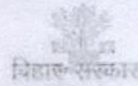


The Udaipur Saraiyaman Eco-Tourism site is a newly inaugurated, located near Bettiah. It offers eco-conscious tourism, including boating in Saraiyaman Lake, birdwatching, nature walks, butterfly park, Aranya Vihar, Interpretation center, children'S play area etc.





501



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, भागलपुर
"सुन्दरवन" बसो रोड, भागलपुर-812003
दूरभाष सं. - 0641 2611400, ईमेल - rccf@pradip@gmail.com

पत्रांक :- 176

दिनांक - 26/02/2026

23

प्रेषक,

डॉ० एस० कुमारसानी, भा० व० सं०,
क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-
मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक,
विहार, पटना।

विषय:-

दिभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें
अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :-

आपका पत्रांक-281 दिनांक 24.02.2026।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के आलोक में भागलपुर वन प्रमंडल, भागलपुर का पत्रांक
598 दिनांक 25.02.2026 द्वारा विक्रमशिला गाँविय डॉल्फिन वन्यजीव आश्रयणी से संबंधित नांग की गई
प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है। जो इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजी जा रही है।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासनाजन

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

2/26

506



बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, भागलपुर वन प्रमण्डल, भागलपुर
सुन्दरवन, हनुमान घाट, बरारी रोड, भागलपुर पिन-812003
ईमेल-dfobhagalpur@gmail.com

पत्रांक- 598 ...

भागलपुर, दिनांक- 25/02/2026

प्रेषक,

आशुतोष राज 'मोडसे',
वन प्रमण्डल पदाधिकारी
भागलपुर वन प्रमण्डल, भागलपुर।

सेवा में,

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

विषय :- विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/ फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह- मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार का पत्रांक- वन्यप्राणी- 281 दिनांक-24.02.2026।

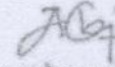
महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में सूचित करना है कि विभागीय वेबसाइट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी से संबंधित सूचनायें को अद्यतन किये जाने हेतु आलेख एवं फोटोग्राफस (सॉफ्ट कॉपी सहित) की मांग प्रासंगिक पत्र द्वारा की गयी है। जो इस पत्र के साथ संलग्न कर भवदीय को भेजी जा रही है।

भवदीय को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु सादर समर्पित।

अतः यथोक्त

विश्वासभाजन,



(आशुतोष राज)

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
भागलपुर वन प्रमण्डल, भागलपुर।

499

Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary
Bhagalpur

The Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary (VGDS) was notified on 7th August 1991 (Notification No. S.O. 382) by the Forest Department, Government of Bihar under the provisions of the Wildlife (Protection) Act, 1972. The sanctuary was established for the protection, conservation, and propagation of the endangered Gangetic dolphin, locally known as "Susu." Located along a stretch of the Ganga River from Sultanganj to Kahalgaon in Bihar, VGDS is the only protected area in India designated exclusively for the conservation of the Gangetic dolphin, which is classified as *Endangered* on the IUCN Red List of Threatened Species.

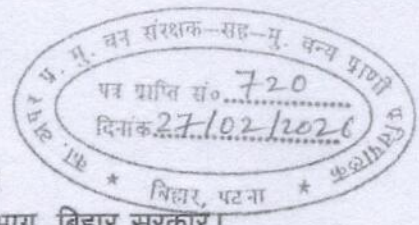
Beyond its flagship species, the sanctuary supports a rich diversity of aquatic flora and fauna. It is home to smooth-coated otters, several species of turtles, fishes and a variety of butterflies. During the winter months, the sanctuary and its surrounding wetlands become a seasonal haven for migratory birds arriving from regions such as Central Asia and Southeast Asia. VGDS stands as a vital ecological corridor and a significant conservation landscape, playing a crucial role in preserving the biodiversity of the Ganga River ecosystem.

Alaj
25/02/14
Divisional Forest Officer
Bhagalpur Forest Division



Maj
25/02/22
Divisional Forest Officer
Nagpur Forest Division

(497)



बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार।

कार्यालय:-वन प्रमंडल पदाधिकारी, जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

अशोक टाउन हॉल रोड, जमुई। पिनकोड- 811307,

फोन नं०- 06345-222036, 9473053950, Email- jamuidfo@gmail.com

पत्रांक- अमा0 /

प्रेषक,

तेजस जायसवाल, भा0व0से0,
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

सेवा में,

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

जमुई-811307, दिनांक...../...../2026

विषय :- विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी प्रतिपालक आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना का पत्रांक- 234 दिनांक- 19.02.2026

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में सूचित करना है कि विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें उपलब्ध करते हुए आलेख/फोटोग्राफ (सॉफ्ट कॉपी सहित) इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजा जा रहा है।

भवदीय को सूचनार्थ समर्पित।

विश्वासभाजन,
ह0/-

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

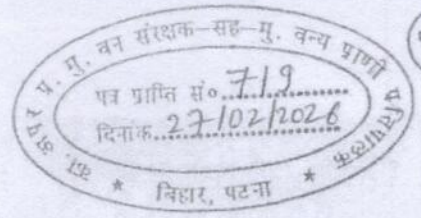
ज्ञापांक- 560

दिनांक- 25/2/2026

प्रतिलिपि:- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना को अनुलग्नक प्रति के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु समर्पित।

Tejas
25.02.26
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जमुई वन प्रमंडल, जमुई।

27/2/26



496



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, भागलपुर
"सुन्दरवन" दरारी रोड, भागलपुर-812003
दूरभाष सं० - 06412811460, ईमेल - rccfbgpr@gmail.com

पत्रांक :- 172

दिनांक- 25/02/2026

26/2

प्रेषक,

डॉ० एस० कुमारसानी, मा०व०से०,
क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-
मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक,
बिहार, पटना।

विषय:-

विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें
अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :-

आपका पत्रांक-281 दिनांक 24.02.2026।

महाराज,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के आलोक में पूर्णिया वन प्रमंडल, पूर्णिया के पत्रांक 491
दिनांक 24.02.2026 द्वारा गोगाबिल संरक्षण एवं सामुदायिक आरक्ष से संबंधित मांग की गई प्रतिवेदन प्राप्त
हुआ है। जो इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजी जा रही है।

अनुलग्नक :- दथोक्त।

विश्वासभाजन

25/2/2026
क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
भागलपुर।

श्री



बिहार सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

कार्यालय :- वन प्रमंडल पदाधिकारी, पूर्णियाँ वन प्रमंडल, पूर्णियाँ।

बिहार गिरजा बाँक, मुख्य अक्षर के सामने पोस्ट-जिला-पूर्णियाँ - 854301.

Ph. No.- 06454 242744

पत्र संख्या :- 491

पूर्णियाँ, दिनांक :- 24/02/2026

प्रेषक :- राजीव रंजन, भा.व.से.,
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
पूर्णियाँ वन प्रमंडल, पूर्णियाँ।

सेवा में,

वन संरक्षक
पूर्णियाँ अंचल, पूर्णियाँ।

विषय :- विभागीय वेबसाईट पर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यप्राणी आश्रयणी इत्यादि से संबंधित सूचनायें
अद्यतन कराने हेतु आलेख/फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार का पत्रांक-281
दिनांक-24.02.2026

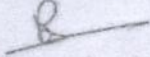
महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रारंभिक पत्र के द्वारा मांगी गई प्रतिवेदन इस पत्र के साथ संलग्न कर
भेजी जा रही है।

कृपया प्राप्ति स्वीकार की जाय।


अनुलग्नक : यथोक्त

विश्वासभाजन,

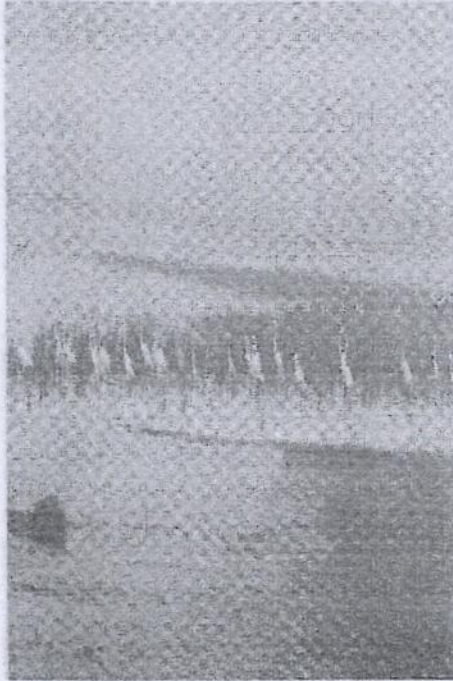

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
पूर्णियाँ वन प्रमंडल, पूर्णियाँ

ज्ञापांक :- 491 दिनांक :- 24/02/2026

प्रतिलिपि :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार/केंद्रीय मुख्य वन
संरक्षक, भागलपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु समर्पित।


वन प्रमंडल पदाधिकारी,
पूर्णियाँ वन प्रमंडल, पूर्णियाँ

Gogabeel Conservation and Community Reserve, Katihar



Gogabeel Conservation and Community Reserve, is located in Katihar District of Bihar, and is situated 35 km from District Headquarter. It was declared as Community Reserve in 2019. It covers an area of 214.07 acres out of which 140.29 acres is of community reserve and 73.78 acres of conservation reserve. The Reserve has been designated as a Ramsar site in Nov 2025.

Spread across a vast oxbow lake formed by the changing course of the Mahananda River, it is widely recognized for its rich avian diversity. The wetland attracts a large number of resident and migratory birds each year. Species commonly observed include Asian Openbill Stork, Egrets and Herons, Cormorants, Kingfishers.



Divisional Forest Officer
Purnea Forest Division, Purnea.